E-NEWSLETTER
July to Sep. 2023
Bulletin : ISSUE

GRIZZLY COLLEGE OF EDUCATION

Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar, Affiliated to Vinoba Bhave University, Hazaribag & JAC, Ranchi

JHUMRI TELAIYA, DIST. KODERMA, (JHARKHAND) - 825409

मनीष कपिसिमें
अध्यक्ष

अविनाश सेठ
सचिव

From The Directors' Desk

हमें प्रसन्नता है कि प्रभारी प्राचार्या के नेतृत्व में यह कॉलेज विश्वविद्यालय स्तर पर विशेष पहचान बनाया है। आपके विकास करने का तरीका बेमिसाल, सरल, पारदर्शी तथा टिकाऊ है। यह सभी के सम्पूर्ण लाभ की नीति पर आधारित है। निर्णय लेने में कुशल, समय व संसाधनों के प्रबन्धन की क्षमता आपके विशिष्ट गुण हैं। आपका मार्गदर्शन और नवाचार की प्रेरणा अत्यन्त मुखर है। विकास की गति शाश्वत रहे – इन्हीं शब्दों के साथ हम आपके के सभी निष्ठावान सदस्यों और प्रशिक्षुओं को ढेर सारी शुभकामनाएँ व्यक्त करते हैं।

From Deputy Director's Desk

हमें अपार हर्ष है कि महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्या के सकारात्मक नेतृत्व की दृष्टिकोण से दिन प्रतिदिन उत्तरोत्तर विकास कर रहा है साथ ही प्रभारी प्राचार्या के मृदुल सुशोभनीय व्यक्तित्व से महाविद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी एक नई ऊर्जा के साथ अपने कार्यो को सुदृढ़ ढंग से कर रहे हैं, जो हमारे लिए अत्यंत ही गौरव की बात है। महाविद्यालय इसी तरह से उत्तरोत्तर विकास करे। मैं प्रभारी प्राचार्या एवं महाविद्यालय के सभी सदस्यों तथा साथ ही सभी प्रशिक्षुओं को धन्यवाद व्यक्त करती हूँ।

डॉ संजीता कुमारी
उपनिदेशिका

From The Principal Incharge Desk

प्रस्तुत सूचना पत्र जुलाई से सितम्बर 2023 तीन महीनों में किए गए विभिन्न कार्यक्रमों तथा गतिविधियों का एक संकलन है। उक्त तीन महीनों में महाविद्यालय प्रशिक्षुओं के सर्वांगीण विकास हेतु कक्षाओं के आयोजन के साथ-साथ विभिन्न क्रियाकलापों को कराता है, जिससे प्रशिक्षुओं का सर्वांगीण विकास हो सके- जैसे मुंशी प्रेमचंद जयंती,पौधारोपण,अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन, हर घर तिरंगा यात्रा, भारत सरकार के निर्देशानुसार मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम, राष्ट्रीय खेल दिवस, विश्व आदिवासी दिवस, अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन, शिक्षक दिवस इत्यादि उक्त सभी कार्यक्रमों में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षु बढ़-चढ़कर भाग लिए तथा अपने प्रतिभा को प्रदर्शित कर उपहार भी प्राप्त किए इन सभी सुशोभनीय कार्य को करने में महाविद्यालय के सभी सदस्य साथ ही अध्यक्ष,सचिव एवं डिप्टी डायरेक्टर का आशीर्वाद एवं प्रेरणा रहा। मैं सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं एवं धन्यवाद व्यक्त करती हूं।

डॉ मृदुला भगत
प्रभारी प्राचार्या

ACCREDITED WITH GRADE B NAAC

MUNSHI PREMCHAND JAYANTI

PLANTATION

HOUSE WISE QUIZ COMPETITION ON INTERNATIONAL YOUTH DAY

HAR GHAR TIRANGA YATRA

HOUSE-WISE PPT PRESENTATION

INDEPENDENCE DAY CELEBRATION

MERI MAATI MERA DESH

NATIONAL SPORTS DAY

PLANTATION

PARENT-TEACHER MEETING

WORLD TRIBAL DAY

TEACHERS' DAY CELEBRATION

SHAMMA PRAVEEN
Roll No. - 1324
B.Ed. (22-24)

A FATHER JUST LIKE YOU

I just want to let you know
You mean the world to me
Only a heart as dear as yours
Would give so unselfishly

The many things you've done
All the times that you were there
Help me know deep down inside
How much you really care

Even though I might not say
I appreciate all you do
Richly blessed is how I feel
Having a father just like you .

बेटी एक पराया धन

मो0 सोहेल अख्तर
अनुक्रमांक : 1375
बी0एड0 : 2022–24

उ जे आंगन के फूल हलअ
घरा जकर से महको हलअ
उड़ल जाइप करे हअ उ पंछी
घरा जकर से चहको हलअ

एक आर्ते से जे खेललअ गोदी में
आज उ चलल जाइप करी हअ
एको बात कहेक हिम्मत नाय बुझाय
अंखियां भरल जाइप करी हअ

कुछ ही देर में कोश दूर चइल जितअ
कुछ ही देर में गड़िया निकइल जितअ
फिर जकर बिना नाय लागो हलअ मना
ओकर बिना मना कैसे बहइल जितअ

आज कुछ कइह भी न सके हियअ
चुपचाप जे आज के समइये हअ
बेटी तो पराया धन हकअ सच है
दोसर के घर तो जाना हइये हअ

जन-जन की आशा बन जाए, जग भाषा बन जाए : हिन्दी

धनेश्वर कुमार
अनुक्रमांक : 1343
बी0एड0 : 2022–24

रामचरित या कृष्णायन हो हिंदी का वरदान है
हो कबीर या फिर मीरा सब हिंदी के दिनमान हैं,
ठुमक ठुमक कर सूरदास के कृष्ण नाचते हिंदी में
हो रहीम या फिर खुसरो गीत बांचते हिंदी में,
हिंदी में रसखान कृष्ण को माखन भोग खिलाते हैं
जात धर्म के झगड़े हिंदी में, खुद ही मिट जाते हैं,
हिंदी में तुलसी ईश्वर को फिर इंसान बना देते
सेवा, मर्यादा, शक्ति की एक पहचान बना देते,
हिंदी में मतिराम बिहारी, प्रेम सुधा बरसाते हैं,
मलिक मोहम्मद पद्मावती को दिव्य कंठ से गाते हैं,
प्रेमचंद के अलगु-जुम्मन, न्याय धर्म के ईश्वर हैं,
कठिन पूस की रात गरीबी और शोषण का ही स्वर है,
वरदायी की चार पंक्तियां, इतिहासों को बदल गई,
भूषण के छंदों पर प्राण लूटाने गर्दन उछल गई,
एक कल्पना लोक प्रेम, फिर एक अय्यारी हिंदी में,
कितनी गाथा गाऊं अब तो करोड़ों बेटे हैं इसके,
कितना प्यारा सृजन करें हैं, गुण गाऊं मैं किस -किसके,
मां हिंदी बस विश्व मनुज की एक आशा बन जाए,
जन-जन की आशा बन जाए, जग भाषा बन जाए!!

प्रशिक्षु

रंजीत कुमार यादव
अनुक्रमांक : 1305
बी0एड0 : 2022–24

हम प्रशिक्षु हैं, हम कल के भावी शिक्षक हैं
मन में कोई द्वेष नहीं, न ही कोई अनुशंका है।
हम हैं कल के रचयिता, हम कल के सूत्रधार हैं
मन में अच्छे शिक्षक बनने की अनुकंपा है।।
हम प्रशिक्षु हैं, हम कल के भावी शिक्षक हैं।

मन विचलित सा हो उठता है, जब यह पाता हूँ
शिक्षा में व्यापार है, हम शोषित परिवार हैं।
परंतु मन में सकारात्मकता है,आत्मनिर्भरता है
कुछ करने की अभिलाषा है, जिज्ञासा है।।
हम प्रशिक्षु हैं, हम कल के भावी शिक्षक हैं।
नेतृत्वकर्ताओं ने की मनमानी है, बेईमानी है
वादों से पल-पल मुकरते हैं, बस पद चाहते हैं।
वो भूल बैठे हैं गुरु द्रोण को ,गुरु वशिष्ठ को
उन्हें प्रशिक्षु-शिक्षक के मायने बताने हैं,समझाने हैं।
हम प्रशिक्षु हैं, हम कल के भावी शिक्षक हैं।।

हकीकत

अनिशा प्रवीण
अनुक्रमांक : 1393
बी0एड0 : 2022–24

ये अंजुमन कैसा है?
क्या ख्वाहिश है बिक रही है महफिल में,
क्या मकाम उनका है जो पड़े हैं गर्दिश में,
कौन कितना लेगा किसने जाना है,
मुखातिफ थी जरा तभी तो पहचान है।

गिले शिकवे हैं, जाहिर है,
तरन्नुम दिखाई नहीं देती,
मुश्किलों में जो हो साथ मेरे,
मैं उनको याद रखती हूं,
भले बातों को भूल जाऊं,
फिर भी लहजे याद रखती हूं।

बेपरवाह गुजारिश हो गई,
मुफासिल बढ़ गए कितने ही,
खुद को लुटा बैठे जमाने में,
तो हकीकत साज न आई।

आजादी के मायने

स्वाति कुमारी
अनुक्रमांक : 1380
बी0एड0 : 2022–24

जब तुम बंद कमरों में अपने ख्वाबों को
आजाद रखना सीख जाओ...
जब तुम लोगों की न सुनकर
खुद की सुनने लगो...

जब तुम अपने ख्यालों के गुच्छों को
आजाद रखना सीख जाओ...

जब तुम्हें आस्मां में उड़ने की चाहत तो हो पर
साथ ही जमीं से जुड़े रहने की ख्वाहिश भी हो...

तब ही समझना की तुम आजाद हो गए ।।

जंगल का महत्व

रोहित कुमार पंडित
अनुक्रमांक : 19
बी0एड0 : 2022–24

जंगल ही संसार की खुशबू
इसके बिना जीवन है बदबू।
खुद करें जंगल की संरक्षण
और सिखाएं औरों को ।

जंगल के कारण होती बरसातें
जिससे झूमते मोर मोरनी और नाचते चीते ।
जंगल ही देता लक लकड़ियाँ और देते फूल
जिसको खाते हर प्राणी और याद रखें हर पल ।

जंगल जंगल मत करो यारो
चलो करें जंगल की संरक्षण ।
जिससे मिलती हमे ऑक्सीजन
चलो करें जंगल की संरक्षण
चलो करें जंगल की संरक्षण ।।

Achievements

100% Attendance for the month August 2023	
Name	Roll
Rajan Kumar	10
Jitendra Yadav	13
Suraj Kumar	29
Khushboo Rani	46

100% Attendance for the month September 2023	
Name	Roll
Shamma Praveen	24
Khushboo Rani	46
Supriya Kumari	60

Editorial Board

Chief Editor :-

Prof. Dr. B. C. Swain

Editor :-

Mr. Manish Kumar Paswan

Editorial Board Students :-

Suraj Kumar Singh

Vikram Dangi

Shabnam Praveen

To